

फर्द अहकॉम

(नियम 26)

अदालत उपखण्ड अधिकारी सेड़वा व मुकाम सेड़वा

सदराम बनाम आयतल तौरा

किस्म मुकदमा... राजस्व आदेस... मुकदमा नम्बर... 147.../2024

तारीख हुकम	हुकम कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
------------	------------------------------	--

31/5/24

प्रार्थी/वादी/अपीलोट के वकील श्री... मुक्तिम खान... यह प्रार्थना पत्र/वाद/अपील धारा... आदेश 9 नियम 4... राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत पेश किया है। जो दर्ज रजिस्टर हो। विप्रार्थी / प्रतिवादी / रेरपोडेंट जरिये नोटिस / सम्मन तलब होकर पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक... 19/06/24...को पेश हो।

10/6/24

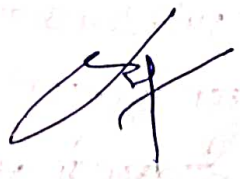
पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है, मिसल इलतबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 19/06/24 को पेश हो।

19/06/24

पत्रावली पेश हुई। वकील शर्मा उपर। विप्रार्थी/गन के सम्मन Registered ऑफ जिले गाफिल पत्रावली किया जाता है। वकील शर्मा ने प्रार्थना पत्र वास्ते पुनः बरामद करने राजस्व वाद न. 40/23 आदेश दिनांक 14/03/24 अन्तर्गत आदेश 9 नियम 4 CPC पर बहल सुनने आनिवेदन किया गया। वकील शर्मा ने बहल मे अचन किया कि उपरोक्त अनवान का वाद न्यायालय मे किनाराहीन था जो न्यायालय

द्वारा दिनांक 14/03/24 को शारिफ उर दिया गया।
 दिनांक 14/03/24 को वकील की अनुपस्थिति में अदम पैरवी
 व अदम सजरी में शारिफ उर दिया जिसकी प्रेसी तारीख
 04/03/24 को वादी वकील को आगामी प्रेसी तारीख 24/03/24
 दे रखी थी तथा बाद में प्रेसी तारीख में छार सार उर
 14/03/24 उर दी जिसकी सूचना वादी व वकील को नहीं दी
 तथा वादी को इस बात का ज्ञान नहीं था इस कारण अपील
 हाजि में उप. नहीं हो सके वादी वकील ने वादी को प्रेसी
 तारीख पर आने से मना कर रखा था। इस कारण वादी उप.
 नहीं हो सका। वादी जातबुझकर अनुपस्थित नहीं हुआ बल्कि
 अपील कारण की वजह से उप. नहीं हुआ। वकील की गलती
 की सजा पसकार को नहीं दी जा सकती। वादी को वाद स्वामिन
 करने से पूर्व वादी को सूचित भी नहीं किया तथा नहीं आयालय
 द्वारा वादी को कोई नोटिस दिया गया। वादी को इस बात की
 जानकारी तब हुई जब परिवर्तित वादी के पहले भारत में फरवरी 2024 की
 करने लगे तब वादी ने परिवर्तित को ऐसा करने से मना किया
 तो परिवर्तित ने कहा कि तुम्हारा दावा अपील में शारिफ हो गया है।
 तब वादी को इस बारे में जानकारी हुई। जानकारी प्राप्त होने की तारीख
 से अर्चना पत्र अंदर अवधि पूरा है। अतः निवेदन है कि वादी को
 अर्चना पत्र स्वीकार किया जाकर वाद पुनः बरामद किये जाने का
 आदेश फरमाया जावे।

प्राची वकील द्वारा उच्च अर्चना पत्र अंतर्गत आदेश उ नियम
 14(1) को न्यायिक में स्वीकार किया जाता है। तथा वाद को
 पुनः बरामद किये जाने का आदेश दिये जाते हैं। पत्रावली
 फेरसल शुभार टैक्टर कारिबल दफ्तर को संख्या से उम हो।



21/5